हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस
वर्ष : 12 अंक : 41 देहरादून, मंगलवार, 01 अगस्त, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

एसएसपी चमोली ने पुलिस कर्मचारियों के साथ बैठक कर, दिए निर्देश 3

थुक्रिया प्रधानमंत्री जी : सीएम धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली / देहरादून 1 अगस्त , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट कर उत्तराखंड के विकास में उनके मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को स्थानीय भांग के रेशे की शॉल बेडू के उत्पाद तथा नंदादेवी राजजात की परम्परागत वाद्ययंत्रो ढोल, दमाऊं, रंणसिंघा युक्त प्रतिकृति भी भेंट की ।मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून में सड़कों पर परिवहन के दबाव को एक अत्याधुनिक एवं ग्रीन मास रैपिड ट्रांजिट प्रणाली द्वारा कम करने और जनमानस को सुरक्षित यातायात की सुविधा उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत देहरादून मेट्रो नियो परियोजना प्रस्तावित की गई है। विस्तृत तकनीकी अध्ययन के उपरांत इस परियोजना की डी०पी०आर०, जिसमें दो कॉरिडोर्स (कुल लम्बाई 22.424 कि०मी०) तथा कुल लागत रू0 1852.74 करोड़ है, के प्रस्ताव पर भारत सरकार से अनुमोदन प्राप्त किये जाने के लिए आवासन एवं शहरी विकास कार्य मंत्रालय, भारत सरकार को प्रेषित किया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से परियोजना के प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान किए जाने का अनुरोध किया।

साभार - सू.वि.

मुख्यमंत्री ने ऑलवेदर रोड चारधाम सड़क परियोजना के लिया आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2023 के लिए केन्द्रीय सड़क अवसंरचना निधि (सी०आर०आई०एफ०) के कार्यों हेतु प्रदेश के जनप्रतिनिधियों से प्राप्त कुल 155 कार्यों के रू0 2550.15 करोड़ के प्रस्तावों पर स्वीकृति प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया था। मंत्रालय द्वारा रू० 250.00 करोड़ के कार्यों में सहमति प्रदान की गयी है। मुख्यमंत्री ने अवशेष कार्यों की स्वीकृति दिलाए जाने का प्रधानमंत्री से अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत वर्षों से राज्य में पर्यटकों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि होने से राज्य मार्गों में यातायात दवाब में बढ़ोत्तरी हुयी है। राज्य मार्गों को उच्चीकृत किया जाना नितांत आवश्यक है। इस सम्बन्ध में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2016 में ही 06 मार्गों को राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में उच्चीकत किये जाने की सैद्धांतिक सहमति दी गयी है। इसके अतिरिक्त 189 किमी0 के काठगोदाम- भीमताल ध्यानाचुली-मोरनोला- खेतीखान लोहाघाट-पंचेश्वर मोटर मार्ग को पर्यटन / सैन्य आवागमन एवं आम जनमानस के लिए नितान्त उपयोगी होने के दृष्टिगत राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में अधिसूचित किया जाना निवेदित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर टनकपुर से पिथौरागढ़ तक दो लेन मार्ग का निर्माण चारधाम परियोजना के अन्तर्गत निर्मित है। पिथौरागढ़ से लिपुलेख तक की सीमा मार्ग को बी0आर0ओ0 द्वारा विकसित कर दिया गया है ।पिथौरागढ़-लिपुलेख मार्ग में स्थित गुंजी गांव से जौलिंगकांग तक के भाग को भी बी०आर०ओ० द्वारा निर्मित कर लिया गया है। ऋषिकेश से कर्णप्रयाग, जोशीमठ, लप्थल- बारहहोटी तक 02-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग का काम भी लगभग पूर्ण हो चुका है। भारत-चीन सीमा में वर्तमान में कोई ऐसा मार्ग नहीं है जो जनपद पिथौरागढ़ के जौलिंगकांग आई०टी०बी०पी० पोस्ट को जनपद चमोली के लप्थल से आई०टी०बी०पी० पोस्ट को सीधे संयोजित करता है। अतः सामरिक रूप से अतिमहत्वपूर्ण टनल मार्गों के निर्माण से उक्त दोनों सीमा पोस्ट की दूरी 404 कि०मी० कम होने के साथ-साथ पर्यटन एवं सीमा प्रबंधन की दृष्टि से भी उपयोगी होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसखण्ड में स्थित पौराणिक मंदिरों में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को दृष्टिगत रखते हुये प्रथम चरण में 16 मंदिरों के समग्र विकास का कार्य किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में पूर्व से निर्मित 1 लेन सड़क मार्गों को 02 लेन में परिवर्तित किये जाने की कार्यवाही गतिमान है। भूमि अधिग्रहण, वनभूमि हस्तांतरण आदि की कार्यवाही राज्य सरकार द्वारा अपने संसाधनों से की जा रही है। प्रथम चरण में निर्माण कार्य हेतु लगभग रू0 1000 करोड़ की आवश्यकता होगी। उक्त धनराशि भारत सरकार के किसी भी मंत्रालय (सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार, पर्यटन मंत्रालय एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) से राज्य सरकार को उपलब्ध कराये जाने का अनुरोध है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से प्रदेश की विभिन्न विकास योजनाओं के साथ सड़कों एवं परिवहन के संबंध में भी चर्चा की तथा अवगत कराया कि सी.आर.आई.एफ (Central road and infrastructure fund) से 250 करोड़ रूपये के कार्यों की सहमति सड़क परिवहन मंत्रालय द्वारा दी गई है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को आपदा की स्थिति की भी जानकारी दी तथा प्रदेश में सड़कों एवं पुलो के निर्माण एवं मरम्मत के लिए 2000 करोड़ की स्वीकृति तथा राज्य में पर्यटकों के आवागमन के दृष्टिगत 6 राजमार्गों को राष्ट्रीय राज्य मार्ग के रूप में अधिसूचित किये जाने का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री जी को मानसून की स्थिति एवं आपदा की स्थिति से भी अवगत कराया ।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से सौंग बांध के निर्माण की भी स्वीकृति का अनुरोध करते हुए बताया कि इससे देहरादून शहर की 2050 तक की पेयजल समस्या का समाधान होगा। प्रधानमंत्री ने सौंग बांध के लिए आवश्यक धनराशि स्वीकृत किए जाने के प्रति आश्वस्त किया ।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से इस वर्ष दिसंबर में प्रदेश में प्रस्तावित वैश्विक निवेश सम्मेलन में प्रतिभाग हेतु भी अनुरोध किया।

भूमि फर्जीवाड़े की शिकायतों पर प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश : सोनिका, डीएम, देहरादून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 1 अगस्त , जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में प्रत्येक सोमवार की भांति जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में 99 शिकायतें प्राप्त हुई। अधिकतर शिकायतें भूमि संबंधी प्राप्त हुई इसके अतिरिक्त शिक्षा, एमडीडीए, नगर निगम, ग्राम्य विकास, पंचायतीराज, सिंचाई, विद्युत, पेयजल, नल कूप, पीएम-जीएसवाई, खनन, पूर्ति, आबकारी आदि विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई। उन्होंने भूमि संबंधी शिकायतों पर राजस्व एवं नगर निगम सहित वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन-जिन स्थानों पर संयुक्त निरीक्षण किया जाना है ऐसे प्रकरणों पर मौके पर जाकर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने भूमि फर्जीवाड़े की शिकायतों पर प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि संबंधी प्रकरणों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जांच कर कार्यवाही करें ताकि जनमानस को अनावश्यक ना भटकना पड़े। उन्होंने शराब की ओवर रेटिंग की शिकायत पर जिला आबकारी अधिकारी को ओवर रेटिंग रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने रानीपोखरी में अतिक्रमण की शिकायतों पर उपजिलाधिकारी ऋषिकेश को मौके पर जाकर वस्तु स्थिति से अवगत कराते हुए कार्यवाही के निर्देश दिए।

उन्होंने सुस्वा नदी श्रेणी की भूमि पर फर्जी रजिस्ट्री की शिकायत पर उपजिलाधिकारी डोईवाला को कार्यवाही के निर्देश दिए, जिस पर उन्होंने बताया कि उक्त प्रकरण पर रोक लगाई गई है। उन्होंने स्टाम्प चोरी की शिकायत पर एआईजी स्टाम्प को कार्यवाही के निर्देश दिए। नेशनल हाईवे 72 पर ई-रिक्शा संचालन होने के कारण लगने वाले जाम एवं दुर्घटना की स्थिति बनने की शिकायतों पर संभागीय परिवहन अधिकारी को कार्यवाही के निर्देश दिए। तुनवाला में भूमि रास्ता रोके जाने की शिकायतों तथा भूमि सीमांकन किये जाने के अनुरोध पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को जांच करने करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 एस.के बरनवाल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजी शरण शर्मा, अपर मुख्य नगर आयुक्त नगर निगम जगदीश लाल, उपजिलाधिकारी मसूरी नंदन कुमार, सदर नरेश चन्द्र दुर्गापाल, उपजिलाधिकारी शालिनी नेगी, अमृता शर्मा, पुलिस क्षेत्राधिकारी अनिल जोशी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

1 अगस्त से बदल जाएंगे ये जरूरी नियम सीधे आपकी जेब पर होगा असर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

1
AUGUST
1 अगस्त से बदल जाएंगे
ये जरूरी नियम.
@livebihartoday

साभार - सो.मी.

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अगस्त , रसोई गैस की कीमतों से लेकर ITR फाइलिंग की डेडलाइन तक 1 अगस्त से कुछ नियमों में बदलाव होने जा रहा है जिसका सीधा आपकी जेब पर पड़ेगा. आईये जानते हैं कल से कौन से बड़े बदलाव होने होने जा रहे हैं.अगस्त का महीना शुरू होने के साथ कई बदलाव होंगे जिनका सीधा असर आपकी जेब पर पड़ेगा. दरअसल देश में हर महीने की एक तारीख को कई नियमों में बदलाव होते हैं. LPG गैस की कीमतों से लेकर बैंकों की छुट्टियों इस दिन जारी होती हैं. ऐसे में अगस्त में भी कई नियमों में बदलाव हो सकते हैं. आईये जानते हैं 1 अगस्त से कौन से बड़े बदलाव हो रहे हैं जो आपके बजट पर असर डालेंगे.

महीने की पहली तारीख को तेल कंपनियां घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों की समीक्षा करती हैं. अगस्त में एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बदलाव की संभावना है. इसके अलावा पीएनजी और सीएनजी की दरों में भी बदलाव की उम्मीद की जा सकती है.

SBI की स्पेशल FD

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की अमृत कलश स्कीम में निवेश करने की अंतिम तारीख 15 अगस्त 2023 है. ऐसे अगर आप भी निवेश करना चाहते हैं तो समय से पहले ये काम कर लें.

IDFC की FD

आईडीएफसी बैंक की ओर से अमृत महोत्सव एफडी ग्राहकों के लिए एक एफडी की योजना शुरू की है जो कि 15 अगस्त 2023 तक वैलिड है. ऐसे में आपको डेडलाइन से पहले ही निवेश कर लेना चाहिए वरना आप मौका चूक जाएंगे.

बैंकों की छुट्टियां

अगस्त के महीने में बैंकों में छुट्टियों की भरमार है. अलग-अलग राज्यों में होने वाले त्योहार और साप्ताहिक छुट्टी को मिलाकर कुल 14 दिन बैंक में छुट्टी रहने वाली है. अगर आपका भी कोई ऐसा काम है जो बिना ब्रांच जाए नहीं पूरा हो सकता तो उसे फटाफट पूरा कर लें.

1 तारीख से आईटीआर भरने पर जुर्माना

बता दें कि आईटीआर फाइलिंग की लास्ट डेट नजदीक है. 31 जुलाई तक इनकम टैक्स रिटर्न फाइल न करने पर जुर्माना देना होगा. 1 अगस्त से 5 हजार रुपये का फाइन लगेगा. जिनकी सालाना इनकम 5 लाख से कम है उनके लिए 1 हजार रुपेय जुर्माना है. बता दें कि लेट आईटीआर फाइल करने की लास्ट डेट 31 दिसंबर 2023 है.

होटल में ठहरते हैं, तो ध्यान से चेक कर लें टीवी और सॉकेट!

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

साभार - सो.मी.

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अगस्त , साइबर अटैक , सोशल प्लेटफॉर्म और डिजिटल फ्रॉड के दौर में सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स की ओर से लोगों को आगाह करने के लिए ऐसे तमाम टिप्स बताए जाते हैं, जो हमारी सिक्योरिटी के लिए ज़रूर होते हैं.कुछ एक्सपर्ट्स ने ऐसे ही टिप शेयर किए हैं, जो होटल में ठहरने के दौरान हमें ध्यान में रखने चाहिए. अब खतरा सिर्फ जगह-जगह से झांकने वाले कैमरों का नहीं बल्कि आपके गैजेट्स पर मंडरा रहा है.

टीवी और सॉकेट से रहें बचकर

जो चीज़ें हमारे मोबाइल और लैपटॉप पर हैकर्स का हमला करा सकती हैं, वो होटल में मिलने वाले यूएसबी सॉकेट और स्मार्ट टीवी है. एक्सपर्ट एंड्रियानस वॉर्मे-नहोवेन का कहना है कि साइबर क्रिमिनल्स होटल में बेहद आसानी से आपके फोन का डेटा उड़ा सकते हैं. एक्सपर्ट के मुताबिक पब्लिक इंटरनेट कनेक्शन इस मामले में सबसे बड़ी भूमिका निभाते हैं. ऐसे में कभी भी होटल में रहें, तो रिसेप्शन से सही नाम और पासवर्ड लेकर ही वाईफाई कनेक्ट करें. सिस्टम में फायरवॉल इनेबल कर लें. ज्यादातर होटल में अब स्मार्ट टीवी होती है और इसमें लोकल वाईफाई कनेक्शन होता है. ये ऐप्स और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स का एक्सेस गेस्ट को देते हैं. ऐसे में बिल्ट इन माइक्रोफोन और कैमरा के ज़रिये आपका पर्सनल क्रेडेंशियल चुराने का पूरा प्लान साइबर क्रिमिनल्स के पास होता है.

अक्सर छुट्टियों पर या फिर दफ्तर के काम से आजकल लोगों का बाहर आना-जाना काफी बढ़ गया है. ऐसे में होटल और लॉज भी अच्छी संख्या में मौजूद होते हैं. इंसान अपने बजट के मुताबिक कभी सामान्य तो कभी बहुत अच्छे होटल में ठहरता है. हालांकि यहां ठहरने से पहले भी आपको अपनी सुरक्षा को लेकर पूरी तसल्ली कर लेनी चाहिए. चूंकि ज़माना डिजिटल है, ऐसे में खतरा हर तरफ मंडराता रहता है.

क्यों घर के बाहरी हिस्से में लगाया जाता है इन्वर्टर ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अगस्त , आपने अक्सर घर के बाहर के हिस्से में ही इन्वर्टर को लगा हुआ देखा होगा. क्या आपने कभी सोचा है कि इन्वर्टर को घर के बाहर के खुले हिस्से में ही लगाया जाता है? अगर आपने कभी इस बारे में नहीं सोचा है, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि इसके बारे में हम यहां बताने जा रहे हैं.

आपको बता दें इन्वर्टर में दो पार्ट्स होते हैं, जिसमें यूपीएस और बैटरी होती है. यूपीएस बैटरी को चार्ज करने और बिजली जाने पर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई करने के काम आता है. वहीं बैटरी में बिजली स्टोर होती है, जो हमेशा यूपीएस के डायरेक्शन पर चार्जिंग और इलेक्ट्रिसिटी की सप्लाई करती हैं. आइए जानते हैं आखिर किस वजह से इन्वर्टर को घर के बाहर के हिस्से में क्यों लगाया जाता है. इन्वर्टर में चार्जिंग और इलेक्ट्रिसिटी आउटपुर के लिए वायरिंग होती है. इसके साथ ही इन्वर्टर की बैटरी कई बार फट भी जाती है. इन्हीं सब वजह से इन्वर्टर को घर के बाहरी हिस्से में लगाया जाता है, जिससे अगर इसमें कोई दिक्कत हो, तो घर को ज्यादा नुकसान न हो.

इन्वर्टर के बाहर रखने का फायदा

इन्वर्टर अगर घर के बाहर लगा होता हैं, तो उसमें मैकेनिक बाहर से बाहर ही पानी डालकर जा सकता है. वहीं इन्वर्टर के बाहर रखने से पानी डालने के दौरान जो थोड़ी बहुत गंदगी होती है, उसे आप आसानी से साफ कर सकते हैं.

क्या बारिश के मौसम में दही खाने से बिगड़ सकती है सेहत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 01 अगस्त : दही सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। एक्सपर्ट भी डेली डाइट में दही शामिल करने की सलाह देते हैं। यह पाचन को दुरुस्त रखता है, साथ ही शरीर को कई समस्याओं से बचाता है। लेकिन दही खाने को लेकर अक्सर लोगों को कई तरह की गलतफहमियां होती हैं। आपने लोगों को कहते हुए सुना होगा कि बारिश के मौसम में दही नहीं खाना चाहिए, तो रात में भी इसे खाना नुकसानदायक होता है और भी कई तरह की बातें है। कुछ लोगों को तो ये भी लगता है, दही खाने से सर्दी-जुकाम, खांसी या अपच की समस्या हो सकती है। दही को लेकर ऐसी कई तरह की भ्रांतियां लोगों में फैली हुई है। तो आइए जानते हैं दही से जुड़े कुछ सच्चाई।

बरसात के मौसम में दही खाना आपके पेट के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसमें मौजूद प्रोबायोटिक गुण गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल विकारों को रोकने में मदद करते हैं। आप अपनी डाइट में सीमित मात्रा में ही दही शामिल करें। दही में मौजूद प्रोटीन दूध की तुलना में आसानी से पच सकता है। इसमें मौजूद गुड बैक्टीरिया पाचन के लिए लाभदायक है।

दही में गुड बैक्टीरिया होते हैं, जो पाचन को दुरुस्त रखते हैं। ये पेट से जुड़ी समस्या कब्ज या दस्त से राहत दिलाने में मदद करते हैं। इससे मां और बच्चे को सर्दी-जुकाम नहीं होती है। लेकिन खाने में दही सीमित मात्रा में ही शामिल करें। गर्भवती महिलाएं अक्सर पाचन संबंधी समस्याओं से परेशान रहती हैं। इसलिए, उन्हें दिन में कम से कम एक बार अपनी डाइट में दही जरूर लेना चाहिए। इसका मुख्य जीवाणु घटक, लैक्टोबैसिलस एसिडोफिलस आंत की स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं।

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो वेट लॉस डाइट में टोंड और स्किम्ड मिल्क दही ले सकते हैं। ये मार्केट में आसानी से मिल जाएंगे। दही कैल्शियम, विटामिन डी, पोटेशियम और प्रोटीन से भी भरपूर होता है । जो आपके सेहत को बढ़ावा देता है।

दही खाने से इम्यूनिटी बढ़ती है और भी कई परेशानियां दूर होती हैं। इसलिए बच्चों को दही जरूर खिलाएं। इसके अलावा आप उन्हें फल और सब्जियां भी दे सकते हैं। साल का कोई भी मौसम हो बिना किसी हिचकिचाहट के हर दिन दही खा सकते हैं। यह इम्यूनिटी बूस्ट करने के साथ पाचन को ठीक रखता है।

एसएसपी चमोली ने पुलिस कर्मचारियों के साथ बैठक कर, दिए निर्देश

PRAMENDRA S. DOBAL

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 01 अगस्त : चमोली प्रमेन्द्र डोभाल द्वारा पुलिस लाईन गोपेश्वर स्थित सभागार में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगणों, समस्त कोतवाली/थाना प्रभारियों, शाखा प्रभारियों व अन्य अधिकारी/कर्मचारी गणों के साथ मासिक अपराध गोष्ठी/सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रत्येक थानों/शाखाओं से आये सभी कर्मचारियों का सम्मेलन लेकर उनकी समस्याएं पूछी गई, कर्मचारियों द्वारा बताई गई समस्या का त्वरित निवारण हेतु निर्देश दिए गए।

1. सर्वप्रथम चमोली में हुए भीषण हादसे में शहीद हुए उपनिरीक्षक के परिजनों को अपनी स्वेच्छा से आर्थिक सहायता प्रदान करने हेतु सभी अधिकारी/कर्मचारियों से अपील की गयी।

2. सीएम हेल्पलाइन-1905 से प्राप्त होने वाली शिकायतों पर की गयी कार्यवाही से जब तक शिकायतकर्ता संतुष्ट न हो तब तक उनकी शिकायतों को फोर्सली क्लोज न करने व प्राप्त शिकायतों का शत प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु कड़े निर्देश दिए।

3. "गौरा शक्ति एप" में सरकारी/गैर सरकारी संस्थानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, होटल/धर्मशाला इत्यादि में कार्यरत महिलाओं के अधिक से अधिक पंजीकरण करवाने हेतु जनपद स्तर में अभियान चलाये जाने हेतु नोडल अधिकारी को निर्देशित किया गया।

4. तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता अभियान चलाकर ₹online खरीदारी अथवा ट्रांजेक्शन₹ के समय की जाने वाली छोटी-बड़ी गलतियों, अनजान लिंक एवं साइबर अपराध के बारे में जानकारी देते हुए आमजनमानस को जागरूक करने तथा शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल अभियोग पंजीकृत करने के निर्देश दिए गए।

5. जनपद में लगातार हो रही बारिश के कारण चारधाम यात्रा मार्ग पर बने भूस्खलन वाले स्थानों पर नियमित रूप से पुलिस बल को नियुक्त रखने व ऐसे स्थानों पर सुरक्षित ढ़ग से यातायात को सुचारू बनाये रखने हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया।

6. मानसून सीजन/बरसात के चलते सभी को सतर्कता बरतने, आपदा उपकरणों को 24 घण्टे तैयारी हालात में रखने, आपदा के दौरान त्वरित एवं आवश्यक कार्यवाही करने तथा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आपदा संवेदनशील क्षेत्रों पर नियमित रूप से निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

7. आपदा के दौरान या संभावित आपदा क्षेत्रों में ड्यूटीरत जवान इस बात का ध्यान रखें कि आपदा उपकरणों,हेलमेट आदि के साथ ही ड्यूटी करें।

8. सोशल मीडिया सेल को निर्देशित किया कि मानसून के दृष्टिगत यात्रा मार्गों/मौसम की जानकारी लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित करें जिससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं/पर्यटकों को यहां के मौसम/मार्गों की जानकारी प्राप्त हो सके।

9. "ड्रग्स फ्री देवभूमि" मिशन 2025 को सफल बनाने हेतु जनपद में गठित एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स (ANTF) को युवाओं को नशे से बचाने के लिए लगातार चैकिंग अभियान चलाते हुए मादक पदार्थों की अवैध तस्करी करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने व आम जनमानस को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने हेतु प्रभारी एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स (ANTF) निर्देशित किया गया

10. थानों में लंबित विवेचनाओं/अभियोगों/शिकायती प्रार्थना पत्रों एवं सम्मन/वारंट/नोटिस का समय पर निस्तारण किये जाने, अभियोगों में वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी किये जाने हेतु कड़े निर्देश दिये गये।

11. सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले एवं शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध प्रभावी चैकिंग कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

12. समस्त थाना/चौकियों के विद्युत उपकरणों की उचित अर्थिंग व्यवस्था बनाने, विद्युत उपकरणों के रखरखाव व देखभाल पर विशेष ध्यान देने तथा लटकती बिजली की तारों को तत्काल दुरुस्त करने हेतु निर्देशित किया गया।

13. महोदय द्वारा जनपद के ग्राम प्रहरियों को मानसून सीजन के दृष्टिगत रेनकोट व पुलिस डायरी वितरित किए व सभी को निर्देशित किया गया कि गाँव में होने वाली हर छोटी बड़ी घटनाओं से तत्काल पुलिस को अवगत करायेंगे। विगत माह में अपनी ड्यूटी के दौरान सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने पर उ0नि0 नरेंद्र कोटियाल को "पुलिस मैन ऑफ द मंथ" पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। ड्यूटी के दौरान सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले निम्न कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया –

1- प्रभारी निरीक्षक राकेश चन्द्र भट्ट (थाना जोशीमठ)

2- उ0नि0 जगमोहन (एसडीआरएफ जोशीमठ)

3- एसडीआरएफ अ0उ0नि0 लवकुश मय टीम(चौकी घांघरिया)

4- हे0कां0 सतीश रावत,कां0 हरीश कांडपाल,कां0 विनोद शाह थाना जोशीमठ

5- हे0का महेश,कां0 हर्षित जोशी,कां0 नवीन सिंह,कां0 अनूप कुमार एसडीआरएफ जोशीमठ

6- कां0 अशोक (चौकी घांघरिया)

7- हो0गां0 मंजीत, हो0गा0 रविन्द्र (चौकी घांघरिया)

8- पीआरडी चन्द्रपाल,पीआरडी प्रेमचन्द्र,पीआरडी हरेन्द्र,पीआरडी कुलदीप,पीआरडी प्रमोद (चौकी घांघरिया)

मंत्री गणेश जोशी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी से की मुलाकात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अगस्त , मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (MCC) ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET) यूजी 2023 काउंसलिंग के सीट आवंटन के पहले दौर के रिजल्ट की घोषणा कर दी है। पहले दौर की आवंटन सूची छात्र आधिकारिक वेबसाइट mcc.niदेहरादून 01 अगस्त : प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण, सैनिक कल्याण एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने बीते बीते दिन नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना और उनका मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी और मंत्री गणेश जोशी के बीच कई समसामयिक विषयों पर चर्चा की गई।

छात्र-छात्राओं ने जाने सफलता के तीन मुख्य मंत्र

ऋषिकेश। श्री देव सुमन विश्वविद्यालय के ऋषिकेश परिसर में नवप्रवेशी विद्यार्थियों को दीक्षारंभ कार्यक्रम के दूसरे दिन सफलता के मूलमंत्र के साथ ही पढ़ाई के लिए तय सही समय सारणी के बारे में भी टिप्स दिए गए। छात्रों को लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया गया। सोमवार श्री देव सुमन विश्वविद्यालय के ऋषिकेश कैंपस में दीक्षारंभ कार्यक्रम के दूसरे दिन छात्र-छात्राओं को करिअर में सफलता के लिए जरूरी टिप्स दिए गए। मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. डीके श्रीवास्तव ने छात्र-छात्राओं को सफलता के थ्री पी से रूबरू कराया। प्रथम पी पैशन यानी जुनून के बारे में डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि जब तक अपने लक्ष्य पाने का जुनून नहीं होगा तब तक आप अपने जीवन में बस अपना समय ही नष्ट करते चले जाओगे। दूसरा पी पेशेंस यानी धैर्य। कितनी भी मुसीबतें क्यों न आए हमें धैर्य रखना चाहिए। कहा कि सफलता के लिए कभी-कभी लंबा इंतजार करना पड़ता है। अंतिम पी पर्सीवरेंस यानी दृढ़ता, अपने लक्ष्य के लिए छात्र के भीतर दृढ़ता का होना जरूरी है, यदि उसके भीतर दृढ़ता नहीं होगी तो उसे कोई भी उसके लक्ष्य से डिगा सकता है। दूसरे सत्र में प्रोफेसर एपी सिंह और प्रोफेसर डीके तिवारी ने विश्वविद्यालय में परीक्षा के नियम कानून बतलाए। जबकि प्रोफेसर पीके सिंह ने छात्र-छात्राओं को उनके अधिकार व कार्यक्षेत्रों की जानकारी दी। प्रोफेसर डीके तिवारी ने छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय की नियमावलियों से अवगत कराया। प्रोफेसर डीसी गोस्वामी ने विज्ञान और प्रोफेसर कंचन लता ने वाणिज्य विषय की जानकारी दी।

शहीद ऊधम सिंह कांबोज के शहीदी दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

ऋषिकेश। डोईवाला में शहीद ऊधम सिंह कांबोज के शहीदी दिवस पर उन्हें याद किया गया। वक्ताओं ने उनके जीवन के बारे में बताया और उनका अनुसरण करने का आह्वान किया। सोमवार को बुल्लावाला में शहीद ऊधम सिंह कंबोज के शहीदी दिवस पर ग्रामवासियों ने कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में शहीद ऊधम सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। भाजपा जिला महामंत्री राजेंद्र तडियाल ने कहा कि 13 अप्रैल 1919 को अंग्रेज सरकार के खिलाफ लोग जलियांवाला बाग में इक_ा हुए थे, इन पर गवर्नर जनरल डायर ने गोली चलाने का आदेश देकर हजारों लोगों का नरसंहार कर दिया था। उस समय ऊधम सिंह भी वहां मौजूद थे। उन्होंने पूरा मंजर अपनी आंखों से देखा और उसी दिन प्रण किया कि वह जनरल डायर को जिंदा नहीं छोड़ेंगे। बाद में उन्होंने लंदन में 23 मार्च 1940 को दो गोली मारकर जनरल डायर को मौत के घाट उतार दिया और खुद को गिरफ्तार करवाया। 31 जुलाई 1940 को ऊधम सिंह को अंग्रेज सरकार ने लंदन में फांसी की सजा दे दी। भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि आजकल के युवाओं को शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेकर

आखिर कहाँ गायब हो गयी लाखों लड़कियां और महिलाएं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

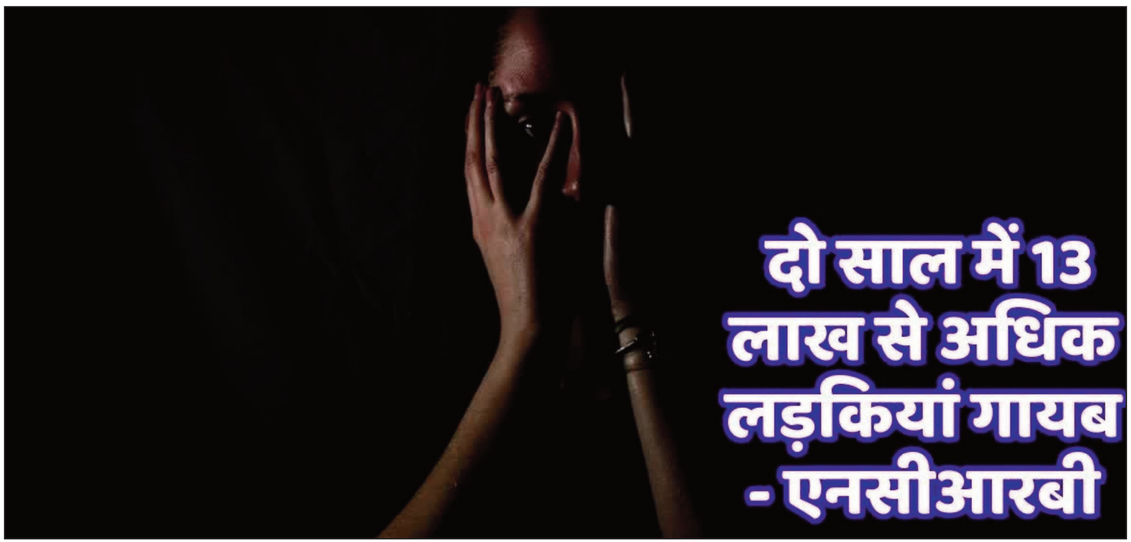
दो साल में 13 लाख से अधिक लड़कियां गायब - एनसीआरबी

साभार - सो.मी.

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अगस्त , देश में महिलाओं के गायब होने की घटनाएं नहीं थम रही है। सरकारी आंकड़े चौंकाते है क्योंकि केंद सरकार ने केवल तीन वर्षों में 13 लाख से अधिक लापता महिलाओं के आंकड़े सामने किये हैं। देश में महिलाओं के लापता होने की घटना कम होने का नाम नहीं ले रही है।राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) द्वारा संकलित आंकड़ों को पिछले सप्ताह संसद में पेश किया गया जिससे पता चलता है कि पूरे देश में साल 2019 से 2021 के बीच 13.13 लाख लड़कियां और महिलाएं लापता हुईं जिसमें 18 साल से अधिक उम्र की 1061648 महिलाएं और उससे कम उम्र की 251430 लड़कियां शामिल हैं।

देश भर के लिए ये कि सच्चाई चौंकाने वाली है क्योंकि मामला लापता लड़कियों से जुड़ा है। दरअसल राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) द्वारा संकलित आंकड़ों को पिछले सप्ताह संसद में पेश किया गया, जिससे पता चलता है कि पूरे देश में साल 2019 से 2021 के बीच 13.13 लाख से अधिक लड़कियां और महिलाएं लापता हुईं हैं वहीं 18 साल से कम उम्र की 2,51,430 लड़कियां लापता हुई हैं। संसद में उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक, सबसे अधिक महिलाएं मध्य प्रदेश से लापता हुई हैं। इसके बाद दूसरे स्थान पर पश्चिम बंगाल है।आंकड़ों के मुताबिक, मध्य प्रदेश में 2019 और 2021 के बीच 1,60,180 महिलाएं और 38,234 लड़कियां लापता हुई हैं। हालांकि इसी अवधि के दौरान पश्चिम बंगाल से कुल 1,56,905 महिलाएं और 36,606 लड़कियां लापता हो गईं। महाराष्ट्र में भी इसी दौरान 1,78,400 महिलाएं और 13,033 लड़कियां लापता हुई हैं। लेकिन केंद्रीय गृह मंत्रालय ने NCRB के आंकड़ों के हवाले से बताया कि ओडिशा में इसी तीन वर्षों के दौरान 70,222 महिलाएं और 16,649 लड़कियां लापता हो गईं, जबकि छत्तीसगढ़ से 49,116 महिलाएं और 10,817 लड़कियां गायब हो गईं।

दिल्ली में भी कम नहीं महिलाओं के गायब होने की घटना

महिलाओं के लापता होने के मामले में राष्ट्रीय राजधानी भी पीछे नहीं है। इसी अवधी के दौरान यहां पर 61,054 महिलाएं और 22,919 लड़कियां लापता हो गईं। लेकिन केंद्र सरकार ने संसद में बताया कि पूरे देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए गए हैं। लेकिन आज जब सरहद पार की डिजिटल मोहब्बत से जुड़े मौजूदा केस से दोनों देश की मीडिया में हल्ला मचा है तो कहीं न कहीं किसी बड़ी साजिश के होने से भी इंकार नहीं किया जा सकता है।

MBBS छात्रों ने आवंटित सीट छोड़ी तो अब फीस नहीं होगी वापस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

साभार - सो.मी.

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अगस्त , मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (MCC) ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET) यूजी 2023 काउंसलिंग के सीट आवंटन के पहले दौर के रिजल्ट की घोषणा कर दी है। पहले दौर की आवंटन सूची छात्र आधिकारिक वेबसाइट mcc.nic.in पर देख सकते हैं। हालांकि, इसी बीच छात्र के लिए बड़ी खबर आई है। अब ऐसे छात्रों की फीस एमसीसी की तरफ से नहीं वापस की जाएगी, जो सीट आवंटित होने के बाद छोड़ेंगे।

जानकारी के मुताबिक अब सीट आवंटित होने के बाद सीट छोड़ने पर सिक्योरिटी फीस जमा कर ली जाएगी। ऐसे में सरकारी, डीम्ड और प्राइवेट कॉलेजों की 10 से 2 लाख रुपए फंस सकती है। हालांकि, यह नियम सिर्फ झारखंड राज्य में ही लागू होगा। अन्य राज्यों में ऐसा नहीं होगा। इस संबंध में झारखंड राज्य ने ऑफिशियल वेबसाइट पर नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

जिन अभ्यर्थियों ने NEET UG 2023 की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, वे काउंसलिंग प्रक्रिया के लिए पात्र हैं। जिन छात्रों ने पहले राउंड के लिए आवेदन किया था, उन्हें वेबसाइट पर आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे। 31 जुलाई से 4 अगस्त तक छात्रों को आवंटित कॉलेजों में रिपोर्ट करना होगा। वहीं, विशिष्ट छात्रों में नामंकित होने वाले अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन 6 अगस्त तक किया जाएगा।

फिर आसमान छूने लगे टमाटर के दाम, सब्जियों के दामों में भी लगातार उछाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 1 अगस्त : शहर में टमाटर के दाम फिर बढ़ गए हैं। फुटकर में टमाटर 150 से 160 रुपये प्रति किलो में मिल रहा है। अन्य सब्जियों के दामों में भी लगातार उछाल देखने को मिल रहा है। वहीं, लोगों को महंगे दामों से राहत देने के लिए जिला प्रशासन का अभियान भी अब सुस्त पड़ गया है। दरअसल, बारिश का क्रम रुकने का नाम नहीं ले रहा है। फसल खराब होने और रास्ते बंद होने के कारण मंडी में टमाटर की आवक घट गई है। पूरे देश में टमाटर की कमी के कारण बाहर से भी टमाटर दून मंडी में नहीं पहुंच पा रहा है। इससे एक बार फिर से टमाटर के दाम आसमान छूने लगे हैं। वहीं, अन्य सब्जियों के दामों में भी लगातार उछाल आने से लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है।

जिला प्रशासन की ओर से दुकानों पर लगाई गई मूल्य सूची भी गायब हो गई है। सचिव मंडी विजय थपलियाल ने बताया कि बारिश के कारण पहाड़ों से पर्याप्त मात्रा में टमाटर और सब्जियां नहीं पहुंच पा रही हैं। इसका असर दामों पर पड़ रहा है।

क्या आप जानते हैं कान छिदवाने से दिमाग भी होता है तेज ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अगस्त , अक्सर माता-पिता बच्चों के कान बिंदवाते हैं। लगभग एक उम्र के बाद हर बच्चे खासतौर पर लड़कियों के कान में पियर्सिंग की जाती है। आमतौर पर लोगों को लगता है कि ऐसा सिर्फ फैशन या एक तरह के रिवाज को निभाने के लिए किया जाता है लेकिन ऐसा नहीं है। कान पियर्सिंग के कुछ फायदे भी हैं। जी हां, इस आर्टिकल में हम आपको बता रहे हैं कि बच्चों के कान बिदवाने से उन्हें क्या फायदे मिलते हैं।

कान के लोब के ठीक बीच का हिस्सा शरीर का एक अहम प्वाइंट होता है। यह प्वाइंट प्रजनन अंगों की सेहत के लिए जिम्मेदार होता है। यह पुरुषों के प्रजनन अंगों को स्वस्थ रखता है और महिलाओं में मासिक चक्र को नियमित रखने में मदद करता है। कान के लोब में ऐसे प्वाइंट भी होते हैं जो ब्रेन के दाएं और बाएं हेमिस्फेयर से कनेक्ट होते हैं।

पियर्सिंग करवाले ब्रेन की ये दोनों साइड एक्टिवेट हो जाती हैं। इसलिए बच्चे के आठ महीने के होने से पहले उसकी ईयर पियर्सिंग करवा देनी चाहिए क्योंकि इस समय तक बच्चे के दिमाग का विकास हो रहा होता है।

आंखों की रोशनी बढ़ती है

कान के केंद्रीय प्वाइंट में आंखों की रोशनी का केंद्र होता है इसलिए इस प्वाइंट पर छेइ करवाने से बच्चे की आंखों की रोशनी बढ़ती है और आपके कान भी स्वस्थ रहते हैं। एकयूप्रेशर के अनुसार कान का हंगर प्वाइंट पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने के लिए होता है। यह प्वाइंट शरीर के पाचन तंत्र को नियंत्रित करता है और मोटापे को बढ़ने से रोकता है।

क्या आपने भी छिदवाया है कान ?

साभार - सो.मी.

क्या आपको पता है आपकी आंखें कितने रंग को पहचान सकती है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सांकेतिक चित्र

ब्यूरो रिपोर्ट 01 अगस्त : पिछले दिनों ऑस्ट्रेलिया की एक महिला कॉनसेटा एंटिको की आंखों के बारे में बीबीसी में एक आर्टिकल छपा था. इस महिला के बारे में चौंकाने वाला दावा किया गया था कि कॉनसेटा एंटिको की आंखें 10 करोड़ से ज्यादा रंगों को पहचान सकती हैं. उनकी आंखें को स्पेशल कहा गया था. इसके साथ ही यह भी बताया गया था कि दुनिया में ऐसे मात्र 1 फीसदी लोग ही हैं, जिनकी आंखें 10 करोड़ रंगों को पहचान सकती हैं.

अब सवाल उठता है कि इंसान की आंखें कितने रंगों को पहचान सकती हैं. हमें बचपन में किताबों में कलर के बारे में पढ़ाया गया है. आम तौर पर हम 20-25 रंगों का ही नाम जानते हैं, लेकिन आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि एक आम इंसान की आंखें इतने रंगों को पहचान सकती हैं, जितना आप सोच भी नहीं सकते हैं. आपकी आंखें कई लाख रंगों में अंतर कर सकती हैं.बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, एक स्वस्थ इंसान की आंखें में तीन तरह के कोन सेल्स होते हैं. प्रत्येक सेल 10 लाख से अधिक विभिन्न कलर शेड्स को पहचान सकते हैं. इस तरह एक आम इंसान की आंखें 10 से लेकर 30 लाख रंगों को पहचान सकती हैं.

अलग-अलग इंसानों में यह संख्या अलग-अलग हो सकती है. यह हर इंसान की आई पावर पर निर्भर करता है. लेकिन, औसत तौर पर कह सकते हैं कि इंसान की आंखें एक मिलियन यानी दस लाख रंगों को तो पहचान ही सकती हैं वहीं जिन लोगों की आंखों में चौथी सेल भी होती है, उससे वह 100 मिलियन यानी दस करोड़ से ज्यादा रंगों में अंतर कर सकते हैं और इन्हें पहचान सकते हैं. ऐसी आंखों को टेट्राक्रोमेट कहा जाता है. ऐसे लोग हर चीज के ओरिजनल रंग को देख सकते हैं. आम इंसान के लिए इतने रंग देखना नामुमकिन है. रिसर्च में बताया गया कि ऐसी आंखों वालों के बच्चों में कलर ब्लाइंडनेस होने का खतरा रहता है.

Free का WiFi कितना सुरक्षित ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 01 अगस्त : अगर आप अपने घर में Wi-Fi इस्तेमाल कर रहे हैं तो वो बेहद सुरक्षित है। इसके साथ ही अगर आप किसी भी रिश्तेदार, मित्र या जान पहचान वाले के घर में जाकर उसका Wi-Fi इस्तेमाल करते हैं तब भी वो सुरक्षित है। लेकिन जब बात पब्लिक Wi-Fi की आती है तो इसे पूरी तरह सुरक्षित नहीं कहा जा सकता। बाज़ार, मॉल, पार्क या किसी भी अन्य स्थान पर सार्वजनिक वाई फाई हमेशा सुरक्षित नहीं रहता।किसी भी सार्वजनिक स्थान पर मिलने वाला फ्री वाई फाई को कोई ना कोई कंपनी ही प्रदान करती है। ऐसे में जब आप उस वाई फाई को इस्तेमाल करने के लिए अपना पंजीकरण करते हैं तो तभी आपका नंबर,मेल आदि उस कंपनी के पास जाता है। अब इस जानकारी को कंपनी आगे बाज़ार में बेच भी सकती है। ऐसे में साइबर अपराधी इस जानकारी का दुरुपयोग भी कर सकते हैं।सार्वजनिक स्थानों पर मिलने वाले फ्री वाई फाई का इस्तेमाल करते हुए अक्सर लोग डिजिटल लेन देन भी शुरू कर देते हैं। लेकिन यही उनके लिए सेल्फ गोल बन जाता है। दरअसल हैकर्स इसी चीज़ का इंतज़ार कर रहे होते हैं, कि लोग आए और अपने उस wifi का इस्तेमाल कर अपने फोन से लेन देन शुरू करें ताकि वो उन्हें अपना शिकार कर सकें। लोग अक्सर अपने फोन का रिचार्ज, बिजली-पानी का बिल, किसी को पेमेंट करना आदि काम उस वाई फाई पर कर देते हैं। इसी दौरान हैकर्स उन्हें चूना लगा कर, उनका बैंक अकाउंट खाली कर देते हैं।सबसे पहले तो फ्री वाई फाई को इस्तेमाल करते हुए उसके नियम और शर्तों को ध्यान से पढ़ लें।डिजिटल लेन देन ना ही करें तो बेहतर है क्योंकि इससे उन्हें आपके बैंक खातें तक पहुँचने में और भी आसानी हो जाती है।इसके साथ ही लंबे समय तक फ्री में मिलने वाले वाई फाई का इस्तेमाल ना करें क्योंकि इससे खतरा ज्यादा बढ़ सकता है।

आखिर कहाँ गायब हो गयी प्रिंस की काजल ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अगस्त , एक नया नया शादीशुदा जोड़ा .... हनीमून पर सुनहरी यादों का सपना पाले सरपट दौड़ती ट्रेन से जा रहा था दार्जिलिंग लेकिन जब वक्त करीब आया तो बेचारे दुल्हेमियाँ के होश उड़ गए क्योंकि उनकी डार्लिंग दार्जिलिंग पहुँचने से पहले हो गयी गायब और फिर शुरू हुयी ट्रेन से वापस घर तक दुल्हन की तलाश.. ये हैरान करने वाला वाक्या है बिहार का जहाँ मुजफ्फरपुर से न्यू जलपाईगुड़ी के आनंद विहार सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में सवार था एक नया शादीशुदा जोड़ा । दोनों एसी कोच संख्या बी 4 के 43 और 45 नंबर सीट पर बैठे थे। लेकिन जब किशनगंज में ट्रेन रुकी तो नवविवाहिता लापता हो गई। वह अपने पति के साथ हनीमून पर दार्जिलिंग जा रही थी। दंपती मुजफ्फरपुर से न्यू जलपाईगुड़ी के आनंद विहार सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन (12524) में बैठे थे। दोनों एसी कोच संख्या बी 4 के 43 और 45 नंबर सीट पर बैठे थे। किशनगंज में ट्रेन रुकी। ट्रेन के रुकने के बाद पत्नी ट्रेन के ही शौचालय में गई। ट्रेन खुलने के बाद जब वह बर्थ पर नहीं आई। तो पति ने ट्रेन की पूरी बोगी में पत्नी को ढूंढा लेकिन , किसी बोगी में उसका पता नहीं चल सका। काफी खोजबीन करने के बाद जब पत्नी नहीं मिली तो पति ने रेलवे से न्याय की गुहार लगाई।

पत्नी के अचानक इस तरह ट्रेन से गायब होने से पति प्रिंस कुमार काफी परेशान है। हांलाकि इसके बाद किशनगंज राजकीय रेल थाने में पत्नी काजल कुमारी के गायब होने की शिकायत दर्ज करायी। इसके बाद वो मुजफ्फरपुर लौट आया। ट्रेन से विवाहिता के अचानक गायब होने के बाद जीआपी ने स्टेशन पर लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला लेकिन इसमें भी महिला नहीं दिखी।

हनीमून के लिए दार्जिलिंग जा रहे थे

बताया जा रहा है कि मुजफ्फरपुर के कुढ़नी थाना क्षेत्र के निवासी प्रिंस कुमार बिजली विभाग का स्टाफ है। प्रिंस कुमार की विगत फरवरी महीने में ही मधुबनी जिले के जयनगर निवासी काजल से शादी हुई थी। शादी के बाद हनीमून के लिए वह दार्जलिंग जाने वाले थे लेकिन पारिवारिक कारणों से दोनों नहीं जा सके। शादी के छह माह के बाद वह अपनी पत्नी काजल के साथ में 28 जुलाई को मुजफ्फरपुर स्टेशन से न्यू जलपाईगुड़ी के लिए ट्रेन पकड़ी थी। अचानक किशनगंज के पास पत्नी गायब हो गई।

6 माह पहले ही शादी हुई थी।

प्रिंस कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके पत्नी से न तो उसका कोई विवाद था और न ही उनकी पत्नी का किसी और से प्रेम संबंध था। उन्होंने आशंका जताई है की नशाखुरानी गिरोह द्वारा उनकी पत्नी का अपहरण किया गया है। पुलिस से अपील है कि वह इस मामले को गंभीरता से ले और आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करे।

ABLED
NJP-NDLS EXPRESS
NEW JALPAIGURI TO NEW DELHI
साभार - सो.मी.

ये शख्स 3 गर्लफ्रेंड के साथ एक ही घर में रहता है, सबका है प्यार का टाइम टेबल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

साभार - सो.मी.

ब्यूरो रिपोर्ट 01 अगस्त : अगर आपसे कहा जाए कि एक शख्स एक साथ 3 गर्लफ्रेंड के साथ एक ही घर में रहता है. तो शायद आपको यकीन नहीं होगा. अब आगे सुनिए कि लंबे समय अपने रिश्ते को परखने के बाद अब ये इंसान तीनों लड़कियों के साथ शादी करने जा रहा है. अरे अरे चौंकिए नहीं, अभी तो एक और अजीब बात बाकी है, वह यह कि ये तीनों लड़कियां सगी और एक साथ पैदा हुई बहनें हैं. यह शख्स केन्या का रहने वाला है, जिसका नाम स्टीवो है. स्टीवो कहना है कि तीनों के साथ रिलेशनशिप चलाना 'कोई बड़ी बात नहीं है.' क्योंकि वह अब भी तीनों गर्लफ्रेंड के साथ रह रहे हैं. उनकी तीनों गर्लफ्रेंड के नाम केट, ईव और मैरी हैं.

दरअसल, इन चारों के वीडियोज सोशल मीडिया पर काफी पसंद किए जाते हैं. केट, ईव और मैरी तीनों बहनें देखने में काफी एक जैसी हैं. वह कपड़े भी अक्सर एक ही तरह के पहनती हैं और अब वह एक ही शख्स से शादी कर रही हैं. हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में इन सभी ने बताया है कि तीनों बहनें अपनी इस शादी से काफी खुश हैं. तीनों ही स्टीवो को अपने पति रूप में देखना चाहती हैं. 'मिरर यूके' में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, सबसे पहले स्टीवो और कैट की मुलाकात हुई थी. जब दोनों ने एक दूसरे को पसंद किया तो केट ने अपनी दो बहनों (ईव और मैरी) को स्टीवो से मिलवाया. जिसके बाद चारों ने साथ रहने का फैसला कर लिया. अब ये चारों एक ही दिन शादी करने वाले हैं.

सभी CBSE स्कूलों में लागू होगा एक पाठ्यक्रम : प्रधानमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अगस्त , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐलान किया कि आने वाले दिनों में सभी सीबीएसई स्कूलों में एक ही पाठ्यक्रम लागू होगा। उन्होंने बताया कि देश में 10+2 एजुकेशन सिस्टम की जगह 5+3+3+4 शिक्षा प्रणाली लाई जा रही है।अखिल भारतीय शिक्षा समागम में पीएम मोदी ने कहा, ₹आज 21वीं सदी का भारत, जिन लक्ष्यों को लेकर आगे बढ़ रहा है, उसमें हमारी शिक्षा व्यवस्था का बहुत ज्यादा महत्व है। शिक्षा में देश को सफल बनाने और देश का भाग्य बदलने की ताकत होती है। एक ओर हमारी शिक्षा व्यवस्था भारत की प्राचीन परम्पराओं को सहेज रही है तो दूसरी तरफ आधुनिक साइंस और हाईटेक टेक्नोलॉजी की फील्ड में भी हम उतनी ही तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

साभार - सो.मी.

25 सालों में ऊर्जा से भरी युवा पीढ़ी का निर्माण करना है

नरेंद्र मोदी ने कहा, ₹राष्ट्रीय शिक्षा नीति में ट्रेडिशनल नॉलेज सिस्टम से लेकर भविष्य की टेक्नोलॉजी तक को बराबर अहमियत दी गई है। युवाओं को उनकी प्रतिभा की जगह उनकी भाषा के आधार पर जज किया जाना सबसे बड़ा अन्याय है। मातृभाषा में पढ़ाई होने से भारत के युवा टेलेंट के साथ अब असली न्याय की शुरुआत होने जा रही है। आने वाले 25 सालों में हमें ऊर्जा से भरी एक युवा पीढ़ी का निर्माण करना है।

युवाओं को एक जैसे अवसर देना है राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विजन

पीएम मोदी ने कहा, ₹राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विजन युवाओं को एक जैसे अवसर देना है। इसकी एक बड़ी प्राथमिकता ये है कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित न रहे। इसे प्रैक्टिकल लर्निंग का हिस्सा बनाया जाए। आज दुनिया जानती है कि जब सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी की बात आएगी तो भविष्य भारत का है। जब स्पेस टेक की बात होगी तो भारत की क्षमता का मुकाबला आसान नहीं है। जब डिफेंस टेक्नोलॉजी की बात होकी तो भारत का लो कॉस्ट और बेस्ट क्वालिटी का मॉडल ही हिट होगा।

इस वजह से तिरछी लगाई जाती है DTH की छतरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 01 अगस्त : आपने अक्सर देखा होगा कि DTH का एंटीना तिरछा लगा होता है. क्या आपने कभी नोटिस किया है कि DTH का एंटीना हमेशा तिरछा लगाने की आखिर क्या वजह है कई लोग यह सोचते भी नहीं होंगे कि DTH की छतरियों को तिरछा क्यों लगाया जाता है. दरअसल, इन छतरियों को देखकर हमें इनकी इतनी आदत हो चुकी है कि हम सोचते ही नहीं कि ऐसा क्यों होता है

बता दें कि DTH एंटीना को तिरछा लगाने के पीछे की वजह बहुत ही खास है. यदि इसे तिरछा नहीं लगाएंगे तो ये अपना काम नहीं कर पाएंगे. बता दें कि DTH एंटीना सिग्नल्स कैच करके उसे हमारे टीवी में पिक्चर में कन्वर्ट करता है. यदि एंटीना को तिरछा नहीं लगाया जाएगा तो ऐसा नहीं होगा. इसको तिरछा लगाने के पीछे की वजह है इसकी डिजाइन. तिरछा होने की वजह से जब कोई किरण इसके कॉनकेव सरफेस से टकराती है तो ये रिफ्लेक्ट करके वापस नहीं जाती. इसके डिजाइन की वजह से यह किरण फोकस पर केंद्रित होती है. बता दें कि यह फोकस सरफेस के मीडियम से थोड़ी दूरी पर होता है.

क्या आपने कभी सोचा है कि DTH एंटीना को अगर सीधा लगा दिया जाय तो क्या होगा अगर हम DTH एंटीना को सीधा लगा देंगे तो किरण इसके कॉनकेव सरफेस से टकराकर रिफ्लेक्ट करके वापस चली जाएगी, जिससे किरण फोकस पर केंद्रित नहीं हो पाएगी. DTH एंटीना ऑफसेट होता है. यानी यह कॉनकेव सरफेस से मिलता-जुलता है. यह थोड़ा सा ही अंदर की तरफ मुड़ा होता है. जब इस सर्फेस पर सिग्नल टकराते हैं तो एंटीने में लगे फीड हॉर्न पर यह केंद्रित हो जाते हैं. सिग्नल्स को यह फीड हॉर्न रिसीव करता है.

बात-बात में पैरासिटामॉल और पेनकिलर खाने से पहले जानें इनके नुकसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 1 अगस्त , जरा सा भी बुखार होने पर दिमाग में सबसे पहला नाम पैरासिटामोल का आता है। वैसे तो इसके सेवन से शरीर को काफी आराम मिलता है लेकिन हाल ही में जो नतीजे सामने आए हैं उन्हें सुनकर आप दंग रह जाएंगे। पेरासिटामोल एंटीबायोटिक दवाओं के प्रभाव को दो तिहाई कम कर देता है। वैज्ञानिकों की माने तो उन्होंने 499 बैक्टीरिया पर गंभीर शोध कर यह साबित किया है। पेरासिटामोल एक एनाल्जेसिक और ज्वरनाशक दवा के रूप में लिया जाता है। इसका उपयोग दर्द और बुखार को कम करने के लिए किया जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि यह सेहत के लिए कैसे खतरनाक हो सकता है। तो आइए जानें...

आईवीआरआई के वैज्ञानिकों के अनुसार शोध में यह बात साबित हुई है कि जब पैरासिटामोल को एक मिलीग्राम एंटीबायोटिक के साथ मिलाया जाता है तो दवा का असर एक तिहाई से दो तिहाई तक कम हो जाता है। इस वजह से, डॉक्टरों को बीमार व्यक्ति को दवा लिखते समय खुराक बढ़ानी पड़ सकती है। यह शोध इंटर-नेशनल जर्नल एक्टा साइंटिफिक वेटरनरी साइंस में प्रकाशित हुआ है।

ज्यादा खाना हानिकारक होगा

इसके अलावा बिना डॉक्टर की सलाह के ज्यादा पैरासिटामोल का सेवन न करें। यह एंटीबायोटिक दवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। इसके अलावा सामान्य तौर पर ये दवाएं संक्रमण से निजात दिलाने में मदद करती हैं, लेकिन इनका अधिक सेवन शरीर को नुकसान भी पहुंचा सकता है।

इन दवाओं के साथ खाने से प्रभाव बढ़ सकता है

इसके अलावा शोध से यह भी साबित हुआ है कि एक मिलीग्राम एस्पिरिन, फ्लुनिक्सिन, डाइक्लो-फेनिक को एक मिलीग्राम एंटीबा-योटिक के साथ मिलाकर इस दवा के प्रभाव को 3-5 गुना तक बढ़ाया जा सकता है। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि यह शोध भविष्य में चिकित्सा क्षेत्र के डॉक्टरों और दवा कंपनियों के लिए फायदेमंद साबित होगा. उनके मुताबिक समय के साथ दवा की सच्चाई पता चल जाएगी जो किसी भी बीमारी के बेहतर इलाज में मदद करेगी।

साभार - सो.मी.

देहरादून स्टेशन से समय से पहले निकल पड़ी ट्रेन, स्टेशन पर छूटे यात्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 01 अगस्त : हाल ही में रेलवे की बड़ी लापरवाही के कारण बीती रात को कई यात्रियों की उपासना एक्सप्रेस छूट गई। बता दें कि उपासना एक्सप्रेस यूपी और पश्चिम बंगाल आदि राज्यों तक जाती है और इसमें कई यात्री सफर करते हैं। उपासना एक्सप्रेस अपने तय समय से पहले ही रवाना हो गई जिसके बारे में यात्रियों को इन्फॉर्म नहीं किया गया और कई यात्रियों की ट्रेन छूट गई। वहीं यात्रियों ने उप स्टेशन अधीक्षक के सामने विरोध दर्ज करवा कर किराया रिफंड मांगा मगर उनको अब तक किराया रिफंड नहीं किया गया

देहरादून
DEHRADUN
साभार - सो.मी.

इसके बाद यात्रियों को स्टेशन से वापस लौटना पड़ा। बता दें कि रेलवे कई बार बिना यात्रियों को इनफॉर्म किए ही ट्रेन के समय में बदलाव कर देता है। उपासना एक्सप्रेस के साथ भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। दरअसल उपासना एक्सप्रेस का समय 9:45 का है। यह देहरादून से हावड़ा रात को 9:45 पर रवाना होती है। मगर बीते दिन पहले से ही इसे रात में 1:45 के लिए रीशेड्यूल किया गया था। यात्रियों को पहले यह बता दिया गया था कि ट्रेन 1 बजकर 45 मिनट पर निकलेगी।

हर कोई अपने हिसाब से जब स्टेशन पहुंचा तो पता लगा कि ट्रेन 12:45 पर ही स्टेशन से निकल चुकी है।

कई यात्रियों का कहना था कि उनको इस ट्रेन से जाना था मगर रेलवे की लापरवाही के कारण उनकी ट्रेन छूट गई है जिसके बाद सभी यात्री उप स्टेशन अधीक्षक कार्यालय में गए लेकिन वहां पर उनको कोई भी संतोष-जनक जवाब नहीं मिल पाया।

जनता मिलन में 24 शिकायतें दर्ज, 15 का मौके पर समाधान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग। जन समस्याओं के निराकरण के लिए जिलाधिकारी सौरभ गहरवार द्वारा जन संवाद एवं जनता मिलन कार्यक्रम में लोगों की शिकायतें सुनी। साथ ही उनके निराकरण के निर्देश दिए गए। ज्यादातर लोगों ने आपदा से जुड़ी समस्याएं बताई। सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों द्वारा 24 समस्याएं दर्ज कराई। जिनमें से 15 शिकायतों का समाधान मौके पर ही हल कर दी गई। ग्राम पंचायत डंगवाल गांव के ग्रामीणों ने लोकसभा व विधानसभा निर्वाचन में चुनावी बूथ तिमली बड़मा में बनाए जाने की मांग की। मयकोटी प्रधान अमित प्रदाली ने वर्ष 2016 से बंद चल रहे राजकीय प्राथमिक विद्यालय की समस्या से जिलाधिकारी को अवगत कराया। ग्राम सभा किमांणा (दानकोट) निवासी रजनी देवी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिलाए जाने की मांग की। बाड़ा गांव निवासी चंद्र सिंह ने भारी बारिश के कारण खेत में सुरक्षा दीवार लगाने, लौंगा गांव की सुमन देवी व गीता देवी ने दैवीय आपदा के कारण उनके आवासीय भवन में दरारे पडने, अमसारी निवासी दयाराम भट्ट ने अत्यधिक बारिश से उनके आवासीय भवन में भू-स्खलन होने, लक्ष्मी देवी ने विकास भवन के समीप स्थित उनके आवास को स्कवर के क्षतिग्रस्त होने से उत्पन्न हुए खतरे, बडेथ (भटवाड़ी) के ग्रामीणों ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय में तैनात शिक्षक की अन्यत्र सेवा लगाए जाने पर पठन-पाठन में हो रहे व्यवधान की शिकायत दर्ज की। न्यालसू निवासी त्रिलोक सिंह ने एनएच द्वारा उनकी अधिग्रहित भूमि का मुआवजा न देने, सतेराखाल निवासी कुंदी लाल द्वारा सतेराखाल में बंदरों के आतंक से मुक्ति दिलाने, लक्ष्मी प्रसाद डिमरी ने दैवीय आपदा के कारण ग्राम पंचायत कपणियां डोबा में क्षतिग्रस्त सिंचाई नहर के पुनर्निर्माण करने, जवाड़ी निवासी अजीत कुमार ने आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण रोजगार दिलाने की मांग की। जिलाधिकारी ने सीएम हेल्पलाइन के जरिए दर्ज होने वाली शिकायतों का भी प्रमुखता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर डीएफओ रुद्रप्रयाग अभिमन्यु, सीडीओ नरेश कुमार, एडीएम दीपेंद्र सिंह नेगी, एसडीएम रुद्रप्रयाग अपर्णा ढौंडियाल, एसडीएम ऊखीमठ जितेंद्र वर्मा, एसडीएम मंजू राजपूत, सीओ प्रबोध कुमार घिल्डियाल सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

जनता दरबार में हुआ 33शिकायतों का निस्तारण

नई नई टिहरी। जिला सभागार में आयोजित जनता दरबार में शिकायतें सुनते हुए डीएम मयूर दीक्षित ने अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि सरकार की संचालित योजनाओं का लाभ जरूतर मंदों को हरहाल में दिलाना अधिकारी सुनिश्चित करें। जनता दरबार में डीएम ने 33 शिकायतों का निस्तारण किया। डीएम ने विभागीय निर्माण कार्यों को एनआईसी की वेबसाइट पर अपलोड करने को कहा। लोक निर्माण एवं पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को आपदा के तहत तत्काल प्रस्ताव मुहैया करवाने को कहा। शिक्षा, समाज कल्याण, बाल विकास विभाग को दूरस्थ क्षेत्रों में निष्क्रिय आधार मशीनों की स्थिति व उन्हें सुचारू करवाने के निर्देश दिए। वहीं, शिकायत करते हुए ग्राम फैगुल निवासी रूकमा देवी ने भूमि पर अवैध पत्थरों का खनन होने के कारण मकान में दरार से नुकसान की बात कही। जिस पर डीएम ने एसडीएम टिहरी को मौके पर जांच कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। ग्राम गढ़ निवासी बालेन्दु उनियाल ने हेंवल नदी के कंटरिया नामे तोक में क्षतिग्रस्त पैदल पुल के स्थान पर नया पुल बनाने की मांग की। जिस पर एसडीएम टिहरी एवं सीआरए को प्रस्ताव की जांच के साथ इस्टीमेट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। वार्ड नंबर सात बुरांसबाड़ चम्बा निवासी प्रवेश चन्द रमोला ने खेत में खुली केबल से करन्ट आने से खतरा के चलते उसे हटवाने का अनुरोध किया। जिस पर ईई यूपीसीएल को तुरंत कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में डीएफओ पुनीत तोमर, एडीएम केके मिश्र, डीडीओ सुनील कुमार, सीएमओ डॉ. मनु जैन, सीएओ अभिलाषा भट्ट, एआरटीओ चक्रपाणि मिश्र, जिला सेवायोजन अधिकारी विनायक श्रीवास्तव, डीएसओ अरूण वर्मा, डीपीओ शौहेब हुसैन आदि मौजूद रहे।

श्रीनगर में शिव मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

श्रीनगर गढ़वाल। श्रीनगर में सावन के सोमवार को शिव मंदिरों में जलाभिषेक को श्रद्धालुओं की भीड़ रही। मंदिरों में जलाभिषेक के लिए सुबह चार बजे से ही श्रद्धालु पहुंचने शुरू हो गए थे। नगर के कमलेश्वर महादेव मंदिर, कटकेश्वर महादेव मंदिर, नागेश्वर मंदिर, अल्केश्वर महादेव मंदिर सहित चौरास किलकिलेश्वर महादेव मंदिर व श्रीकोट शिव मंदिर में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर सुखः शांति की कामना की। कमलेश्वर महादेव मंदिर के महंत आशुतोष पुरी ने बताया कि मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालु जुटने शुरू हो गए थे। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं ने मंदिर में देरशाम तक पूजा-अर्चना की।

पौड़ी की मासूम का बेस अस्पताल में किया सफल ऑपरेशन

पौड़ी। पौड़ी में कुत्तों के झुंड द्वारा जख्मी की गई चार वर्षीय मासूम को मेडिकल कॉलेज के बेस अस्पताल में सफल ऑपरेशन किया गया। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक व ईएनटी सर्जन डा. रविंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि सोमवार को पौड़ी से यहां पहुंची मासूम को कुत्तों ने बुरी तरह से जख्मी किया हुआ था। उसके सर, गर्दन व शरीर में कई जगह निशान थे। कहा सर के घावों का इलाज पौड़ी अस्पताल में किया गया। लेकिन गले में दाई तरफ दो घाव थे, जिससे खून बहने के कारण उसकी गंभीर स्थिति थी। इसको देखते हुए मासूम को बेहोशी में लिया गया। उसके गले के अंदर खून की दो धमनियां खुली हुई थी। जिसका उचित उपचार किया गया। कहा मासूम अब सुरक्षित है। अगले 7 से 10 दिन तक वह पूरी तरह से निगरानी में रहेगी।

खाई में गिरी अनियंत्रित जीप, युवती की मौत, दो गंभीर घायल

विकासनगर। दारागाड-कथियान मोटर मार्ग पर नायली के पास एक जीप अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में एक युवती की मौके पर ही मौत हो, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। युवती के शव का त्यूणी पीएचसी में पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। जबकि घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

सोमवार सुबह आठ बजे एक जीप डांडी सारनी से त्यूणी के लिए रवाना हुई। मात्र डेढ़ किमी आगे जाकर जीप नायली कोडाधार के पास अनियंत्रित होकर तीन सौ मीटर गहरी खाई में जा गिरी। जहां पर जीप गिरी ठीक उसके नीचे खच्चर बटीया में सारनी के ग्रामीण खच्चरों से टमाटर ढुलान कर रहे थे। आठ-दस ग्रामीणों ने खच्चरों को दौड़ाकर अपनी जा बचाई। इन ग्रामीणों ने तत्काल रेस्क्यू कर वाहन में सवार तीन लोगों को सडक़ तक पहुंचाया। जिसमें रिंकी (18) पुत्री जुमान सिंह, निवासी सारनी तहसील त्यूणी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तिलक सिंह पुत्र नारायण सिंह, निवासी सारनी और प्रेम बहादुर पुत्र मन बहादुर, निवासी नायली तहसील त्यूणी गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर राजस्व विभाग की टीम जिसमें नायब तहसीलदार ग्यारदत्त जोशी, राजस्व उप निरिक्षक प्रभु सिंह चौहान, राजस्व उप निरीक्षक नागचंद, आरके भोपाल दास तुरन्त घटनास्थल पर पहुंचे। नायब तहसीलदार ग्यारदत्त जोशी ने दुर्घटना का कारण चिकनी मिट्टी में वाहन के स्लिप होकर अनियंत्रित होना बताया। बताया कि मृतक युवती के शव का त्यूणी पीएचसी में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

संपादकीय

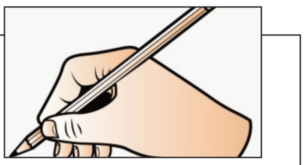

अचानक भीड़ और हिंसा

एक बार फिर यह सवाल जेहन में उभरता है कि एक भीड़ के हाथों में तलवार, चाकू, लाठी-डंडे और पत्थर कहां से आ जाते हैं? क्या यह पूर्व नियोजित होता है? यह उप्र के वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़ आदि शहरों में देखा जा चुका है। ऐसा ही संभ्रान्त शहर बेंगलुरु और देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भी हुआ था। कई और राज्यों के शहर भी लहूलुहान हुए होंगे! सभी का उल्लेख करना संभव नहीं है। आश्चर्य है कि एकदम भीड़ जमा हो जाती है और उनके हाथों में हथियारनुमा हमलावर उपकरण होते हैं। भीड़ सार्वजनिक बसों पर पथराव करने लगती है। कितना नुकसान होगा और कुछ जानें भी जा सकती हैं, भीड़ का यह सरोकार बिल्कुल नहीं होता। भीड़ अंधाधुंध हमले करती है। निजी वाहनों को भी नहीं छोड़ा जाता। उन वाहनों में कोई बीमार वृद्ध, नवजात शिशु और दूसरे परिजन भी हो सकते हैं। भीड़ की कोई दलील नहीं होती कि वह हमलावर क्यों है? एकदम हिंसा भडक़ने का सबब क्या है? यदि कोई सांप्रदायिक वजह है, तो उसे संवाद के जरिए हल किया जा सकता है। आश्चर्य है कि ऐसी हिंसा, जो दंगों में भी तबदील हुई है, ईद या मुहर्रम अथवा राम नवमी, हनुमान जयंती आदि हिन्दू त्योहारों पर ही क्यों भडक़ती है? देश की राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में ऐसी गुमनाम, अचानक भीड़ ने ऐसी हिंसाएं फैलाई हैं। सांप्रदायिक दंगे तक भडक़े हैं। लोगों के घरों, छतों पर लोहे की रॉड और पत्थर का जमावड़ा बरामद किया गया है। संदिग्ध अपराधियों को जेल तक भेजा गया है, लेकिन फिर ऐसी संगठित और प्रायोजित भीड़, हथियारों समेत, सामने आई है और उपद्रव मचाया गया है। मुसलमानों का मुहर्रम त्योहार अभी गुजरा है। उसी दिन राजधानी दिल्ली के नांगलोई इलाके में एक भीड़ ने तलवारें नचाईं, लाठी-डंडे चलाए, चाकू भी दिखाए और खूब पथराव किया। हमले में एक पुलिस अधिकारी इतना घायल हो गए कि उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा। पुलिस ने 35 उपद्रवियों को हिरासत में लिया है और तीन प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इस हमले का कारण कमोबेश हमें तो समझ में नहीं आया, क्योंकि किसी ने भी इस्लाम-विरोधी, मुहर्रम के मद्देनजर या मुस्लिमों के पैगम्बर साहिब के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की थी। मुहर्रम के दिन ही ताजिया वाले हिन्दू शैव कांवडियों से क्यों टकराए? क्यों भिड़े? वहां दंगा भडक़ते हुए बच गया।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

मंत्री डॉ. धन सिंह ने किया सहसपुर में अन्न भंडारण गृह का भूमि पूजन

विकासनगर। बहुउद्देश्यीय किसान सेवा सहकारी समिति सहसपुर के अन्न भंडारण गृह का भूमि पूजन सोमवार को सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने किया। एआईएफ योजना के तहत बन रहे अन्न भंडारण गृह से प्रदेश में अन्न भंडारण की क्षमता बढ़ेगी। सहकारिता मंत्री डॉ. रावत ने कहा कि केंद्र में पृथक सहकारिता मंत्रालय बनने से सहकारिता के क्षेत्र में प्रदेश प्रगति कर रहा है। राज्य में जन सेवा केंद्र, जन औषधि केंद्र का संचालन किया जा रहा है। क्षेत्र में साइलेज का अच्छा काम हो रहा है, लेकिन अभी भी मांग के अनुरूप उत्पादन नहीं हो पा रहा है। साइलेज उत्पादन बढ़ाने के लिए सहसपुर में विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। साथ ही उत्पादन बढ़ाने के लिए हरिद्वार और ऊधम सिंह नगर में किसानों को जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य में सहकारी ग्राम स्थापित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही समितियों में उन्होंने सदस्यता बढ़ाए जाने और उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित किए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। विधायक सहदेव पुंडीर ने कहा कि सहकारिता द्वारा संचालित योजना में दीनदयाल उपाध्याय योजना से किसानों को लाभ मिल रहा है। सहकारिता विभाग की समितियां और को-ऑपरेटिव बैंक ब्याज मुक्त ऋण किसानों को मुहैया करा रहे हैं। निबंधक सहकारिता आलोक कुमार पांडेय ने कहा कि देश में अन्न भंडारण क्षमता में वृद्धि किए जाने की आवश्यकता है। सहसपुर की वरिष्ठ विपणन प्रबंधक मोनिका अरोड़ा ने वर्तमान राशन गोदाम की वस्तुस्थिति के साथ ही स्थानीय काश्तकारों की समस्याओं से अवगत कराया। बताया कि इस सीजन में कई केंद्रों पर धान की आमद शून्य रही, ऐसी स्थिति से बचने के लिए सकारात्मक उपाय किए जाने जरूरी है। इस दौरान सहकारिता सचिव डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम, नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक वीके बिष्ट, अपर निबंधक ईरा उप्रेती, आनंद शुक्ल, संयुक्त निबंधक नीरज बेलवाल, उप निबंधक रामिंद्री मंद्रवाल, जिला सहायक निबंधक सुमन कुमार, समिति के प्रशासक एडीओ पंकज सैनी वरिष्ठ विपणन अधिकारी मोनिका अरोड़ा आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

छात्राओं के लिए निशुल्क कौशल विकास कार्यक्रम का शुभारंभ किया

विकासनगर। महिंद्रा प्राइड क्लासेज के तत्वावधान में नांदी फाउंडेशन की ओर से श्री गुलाब सिंह महाविद्यालय चकराता में छात्राओं के लिए निशुल्क कौशल विकास कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.केएल तलवाड़ ने कहा कि छात्र-छात्राओं को इसका लाभ उठाकर स्वरोजगार के क्षेत्र में अपने भविष्य को तलाशना चाहिए। कहा कि मेहनत और लगन से काम करेंगे तो कहीं रोजगार मांगने के बजाय आप अन्य लोगों को भी रोजगार मुहैया करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कौशल विकास कार्यक्रम हमारे जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। महिंद्रा प्राइड क्लासेज के मोटिवेशनल स्पीकर नवीन थपलियाल ने कक्षा की विधिवत शुरुआत की। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को जीवन से संबंधित विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण 5 अगस्त तक चलेगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुमेर चंद ने किया। इस अवसर पर डॉ. कामना लोहानी, डॉ. सोनम भट्ट, डॉ. आराधना भंडारी, डॉ. जितेंद्र दिवाकर, डॉ. स्वाति शर्मा, डॉ. पवन भट्ट, डॉ.पूजा रावत, अर्जुन, मोहम्मद शफीक, रोशन बख्श आदि मौजूद रहे।

रोजगार की मांग को लेकर निर्माण कार्य रुकवाया

विकासनगर। लखवाड़-व्यासी युवा श्रम संविदा सहकारी समिति ने सोमवार को परियोजना स्थल पर धरना प्रदर्शन करते हुए निर्माण कार्य रुकवा दिया। समिति से जुड़े युवाओं का कहना है परियोजना के तहत स्थानीय लोगों को रोजगार देना प्राथमिकता होनी चाहिए। समिति के अध्यक्ष अभय प्रताप ने कहा कि बांध परियोजना के तहत निर्माणदाई संस्थाएं बाहरी लोगों को रोजगार दे रही हैं, जबकि स्थानीय प्रभावित युवा बेरोजगार हैं। जिन परिवारों की जमीन बांध निर्माण के लिए अधिग्रहीत की गई हैं, उन्हें भी रोजगार से वंचित रखा जा रहा है। कहा कि योग्यता के अनुसार स्थानीय युवाओं को ही रोजगार दिया जाना चाहिए। स्थानीय लोगों की आय का प्रमुख साधन कृषि है, लेकिन कृषि भूमि को अधिग्रहीत कर दिया गया है, जिससे करीब 32 गांवों के किसान भूमिहीन हो गए हैं। उन्हें परियोजना के तहत रोजगार दिया जाना जरूरी है। बाहरी ठेकेदारों और उनकी मशीनों को हटाकर स्थानीय प्रभावितों को ही वरीयता दी जानी चाहिए। परियोजना स्थल पर धरना प्रदर्शन और निर्माण कार्य बंद कराने की सूचना पर कार्यदाई संस्था के अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से वार्ता कर उनकी मांगों का सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिसके बाद शाम चार बजे प्रदर्शनकारी परियोजना स्थल से हटे, लेकिन एक सप्ताह में सभी मांगों पर कार्यवाही नहीं होने पर निर्माण कार्य अनिश्चितकाल के लिए बंद कराने की चेतावनी दी। इस दौरान आनंद तोमर, सिकंदर नेगी, अमित चौहान, संदीप तोमर, गोपाल चौहान, सतपाल तोमर, प्रद्युम्न तोमर, संदीप खन्ना, मनीष, सचिन, सुनील डोभाल, जगदीश पुंडीर, तरुण, विनय, सोमपाल, राहुल चौहान, बलवीर, सुरेश आदि शामिल रहे।

मणिपुर की घटना को लेकर भीम आर्मी ने किया हरबर्टपुर में प्रदर्शन

विकासनगर। मणिपुर की घटना को लेकर पछुवादून में भी उबाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। राजनैतिक, सामाजिक संगठनों की ओर लगातार प्रदर्शन कर घटना पर विरोध जताने के साथ ही हिंसा रोकने और दोषियों को सजा दिलाए जाने की मांग की जा रही है। सोमवार को भीम आर्मी की ओर से हरबर्टपुर के क्रांति चौक पर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के बाद तहसील मुख्यालय पहुंच कर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रपति को प्रेषित ज्ञापन में बताया कि बीते तीन माह से मणिपुर में जारी घटनाओं पर प्रदेश और केंद्र सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। जबकि प्रधानमंत्री कई बार यह बोल चुके हैं मणिपुर में बहन बेटियों के साथ शर्मनाक हरकत करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

धामी विजन को साकार कर रहे पेयजल निगम के एमडी सुरेश चंद पंत से ख़ास साक्षात्कार

मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड के व्यक्ति को इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी उसे निष्ठा से निभाऊंगा

देहरादून , 1 अगस्त , न्यूज़ वायरस हिंदी दैनिक के समूह सम्पादक मो0 सलीम सैफ़ी ने प्रदेश में पेयजल आपूर्ति और पेयजल योजनाओं पर केंद्र और राज्य सरकार के मिशन को तेजी से आगे बढ़ा रहे एमडी पेयजल निगम सुरेश चंद पंत से खास बातचीत की है । इस साक्षात्कार में एमडी पेयजल ने विस्तार से सभी अहम सवालों के जवाब दिए हैं। आइए पढ़ते हैं न्यूज़ वायरस के सवाल पेयजल निगम के मुखिया के जवाब

- जल जीवन मिशन को मुख्यमंत्री सुनियोजित तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं
- मैंने अपनी सर्विस में बहुत कम छुट्टियां ली , इस साल केवल 2 दिन छुट्टी ली
- मार्च 2024 तक हर घर को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराएँगे
- जब हम खुद अनुशासन में रहेंगे तो सभी लोग अनुशासन में आएंगे
- विभाग का एक नंबर है 1064 , जिसमें जनता कंप्लेंट कर सकती हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मो0 सलीम सैफ़ी -- आपको मुख्यमंत्री ने जो अहम जिम्मेदारी दी है भले ही ऐसी भौगोलिक परिस्थितियों के बीच जब आपदा आई हुई है बारिशों का मौसम है ऐसे में भी कड़ी चुनौतियां है और आप बड़े सुकून के साथ उत्तराखंड को मैनेज कर रहे हैं, तो आपका चार्ज लेने के बाद सबसे बड़ी चुनौतियां क्या थी ? और कैसे आप आगे बढ़ रहे हैं ?

सुरेश चंद पंत एमडी : मैं पहले बहुत ही आभारी हूं कि मुख्यमंत्री ने एक उत्तराखंड के व्यक्ति को एक अधिकारी को इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी है और पेयजल निगम जैसे जो की मूलभूत अवस्थाओं की पूर्ति के लिए विभाग बनाया गया है इसमें मुझे काम करने का अवसर मिला है और उसके उच्च पद पर मुझे बैठाया गया है , जहां तक आपने मेरे इस क्षेत्र का होने और भौगोलिक परिस्थितियों की होने की बात कही है मैं पिथौरागढ़ से लेकर त्यूणी तक लगभग हर क्षेत्र में कुछ ना कुछ काम कर चुका हूं और पहले तो मेरा जन्म पिथौरागढ़ के गंगोलीहाट में समीप के एक गांव में हुआ जहा के हमारे फोरफादर बहुत पहले महाराष्ट्र से माइग्रेट होकर गंगोलीहाट में आए और हम लोग कई वर्षों से यहां रह रहे हैं, तो वहां से सफर आगे बढ़ते हुए मैं अपना डिप्लोमा करने के बाद पेयजल निगम में भर्ती हुआ। 1983 में उसके बाद लगातार में रानीखेत ,नैनीताल, रानीखेत, उसके बाद देहरादून, चकरात, पौड़ी, टिहरी, उसके बाद फिर देहरादून फिर पौड़ी, और इसके बाद मुख्यालय के पद पर रहते हुए मैंने हर जनपद का लगभग भ्रमण किया और नजदीक से देखा। पहाड़ों में सबसे पहली चीज होती है जल की समस्या, गांव वालों को महिलाओं को ग्रामीणों को दूर से पानी लाना पड़ता है। सरकार ने कुछ समय पहले एआरपी एक कार्यक्रम था जिसमें जल जीवन मिशन प्रधानमंत्री ने लांच किया है जिसको इस प्रदेश के मुख्यमंत्री इस योजना को बहुत ही अच्छे से सुनियोजित तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं और हम लोगो को समय समय पर मार्गदर्शन दे रहे है और दिशा निर्देश दे रहे हैं जिसका हम लोग पालन कर रहे हैं ...

मो 0 सलीम सैफ़ी -- प्रधानमंत्री मोदी का विजन है हर घर को जल हर घर को नल तो इस योजना , आप कितना फोकस कर रहे हैं और क्या टारगेट फिक्स किया है और क्या निर्देश दिए हैं ?

सुरेश चंद पंत एमडी : जिस दिन इस देश के प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त 2019 को जल जीवन निगम मिशन की घोषणा की उस दिन उत्तराखंड में हमारे 14 लाख 94 हजार ग्रामीण परिवार रह रहे थे। उसमें से मात्र एक लाख 30,000 परिवारों को हर घर जल उपलब्ध था। उसके पश्चात जल जीवन मिशन में प्लानिंग हुई सर्वे हुआ डीपीआर बनी और उसके बाद रेगुलर मॉनिटरिंग हुई डिस्टिक लेवल पर स्टेट लेवल पर सेंट्रल सेंट्रल गवर्नमेंट लेवल पर जब उसके बाद डीपीआर अप्रूवल हो गई। उसके बाद काम हमने काम स्टार्ट किया डीपीआर अप्रूवल हुई टेंडर अप्रूवल हुए, उसके बाद डिस्टिक लेवल से हमें 5 करोड़ से काम की योजनाएं मिली 5 करोड़ से अधिक की योजनाएं थी। वह हमने स्टेट लेवल से अप्रूवल कराई और बहुत ही कम समय में यह मिशन चला उसके बाद फिर टेंडरिंग हुई वर्क ऑर्डर हुए और फिर काम शुरू हुआ। उस समय 14 लाख 94 हजार परिवारों में से मात्र एक लाख 30 हजार परिवारों को पेयजल उपलब्ध था। वर्तमान में लगभग 11 लाख 48000 परिवारों को कनेक्शन दे दिया गया है . जिसके लिए खाली पेयजल निगम में 3 हजार 900 योजनाएं बनी है उनमें काम चल रहा है और यह प्रयास किए जा रहे हैं मार्च 2024 तक हर घर को योजनाएं पूर्ण करते हुए पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा

मो 0 सलीम सैफ़ी -- आपके सामने एक बहुत बड़ी चुनौती थी विभाग में अनुशासन बनाना क्योंकि इंटरनल राजनीति के चलते पेयजल निगम को डैमेज करने भी कोशिश हो रही थी... ऐसे में आपने अनुशासन कायम करते हुए छवि बदलने के लिए क्या प्रयास किये ?

सुरेश चंद पंत एमडी : मेरा मानना है कि जब हम खुद अनुशासन में रहेंगे तो सभी लोग अनुशासन में आएंगे। सबसे पहला हमारा दायित्व है पहाड़ी क्षेत्र में और हमें जो काम दिया गया है , एक तो टाइमली करें और उसके अलावा उसे समय दें , काम को करने में और जो हमें ज्ञान है उसको उसको काम में लगाएं। उसके अलावा जो चीजें हमें नहीं पता है एक्सपर्ट लोगों से लेकर आए उनकी नॉलेज एक्सपर्ट लोगों से लें। उसके अलावा खुद जब हम मेहनत करेंगे काम करेंगे दूसरा अगला जो है आपसे जरूर प्रभावित होगा। जो अच्छा काम करेगा तो उससे हर कोई प्रभावित होगा , हम बिल्कुल दिलो जान से अच्छा काम करने का प्रयास करेंगे , अगर हम खुद ही काम को अगले दिन में टालेंगे या कोई ना कोई बहाना करेंगे नहीं आज हम छुट्टी ले लेते हैं , आज हम घूमने चले जाते हैं तो इन डिसिप्लिन आता है। मैं आपको बताऊं हमने अपनी सर्विस में बहुत कम छुट्टियां ली। इस साल भी सिर्फ 2 दिन छुट्टी ली होगी जिसमें 14-15 छुट्टी मिलती है। हमें लगता है कि अभी हमने कुछ काम किया ही नहीं जो काम है वह समय कम है। लेकिन काम को अच्छे तरीके से करें तो वही काम जो 10 घंटे में होता है वही 6 घंटे में भी हो जाता है। लेकिन काम के प्रति समर्पण होना जरूरी है ... यह मेरा सौभाग्य है कि जो हमारी टीम है भले ही थोड़ी अनुभव की भी कमी है लेकिन जो नए हैं जो पुराने लोग हैं उनको मिक्स करके हम काम कर रहे हैं और सभी लोग सहयोग कर रहे हैं।

मो 0 सलीम सैफ़ी -- प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का एक नारा है भ्रष्टाचार मुक्त भारत भ्रष्टाचार मुक्त उत्तराखंड , आप अपने इस निगम में ऐसी कोई योजना ऐसी कोई महत्वपूर्ण बात जो आप हमारे पाठकों संग शेयर करना चाहते हो ?

सुरेश चंद पंत एमडी : देखिए हमें काम को गुणवत्ता और क्वालिटी से करना है और निष्पक्षता से करना है और इसके अलावा जैसे हमें टेंडर होते हैं कोई काम होता है तो उसमें हमें अपने काम को बिल्कुल टाइम देते हुए कम समय में करना है। भ्रष्टाचार तब होता है जब किसी चीज को लिंगर ऑन किया जाए। आप समय से अगर काम करेंगे तो उसमें ना भ्रष्टाचार की स्थिति होगी ना भ्रष्टाचार की संभावना रहेगी। फिर ना आप पर आरोप लगाए जाएंगे अगर हम किसी काम को ढीले करेंगे उसमें आरोप भी लगते हैं की इस काम में कुछ ना कुछ गड़बड़ है। तो हम काम को फोकस करके करेंगे और बाकी सरकार ने भी विजिलेंस गठित की की हुई है। HOD विजिलेंस ऑफिसर होगा वो वॉच रखेगा तो उसके लिए भी हमने नोडल अधिकारी नियुक्त कर दिए है। उसके चलते ऐसी कोई भी शिकायत जनता की आती है जनता के सामने आती है तो 1064 एक नंबर है जिसमें वह कंप्लेंट कर सकते हैं उसमें जो भी होगा उसमें हम सहयोग करेंगे।

यूनियन बैंक
Union Bank
of India